

विजय मल्लका प्रयोगशील नाट्यकृतिको  
विश्लेषण

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र  
सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभागको स्नातकोत्तर  
तह दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको  
प्रयोजनार्थ प्रस्तुत



शोधपत्र



शोधार्थी

नित्यानन्द खतिवडा

विश्वविद्यालय क्याम्पस, नेपाली केन्द्रीय विभाग  
त्रिभुवन विश्वविद्यालय  
कीर्तिपुर, काठमाडौं

२०६४

## शोधनिर्देशकको मन्तव्य

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभाग, कीर्तिपुरको स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षका विद्यार्थी नित्यानन्द खतिवडाले **विजय मल्लका प्रयोगशील नाट्यकृतिको विश्लेषण** शीर्षकको प्रस्तुत शोधपत्र मेरा निर्देशनमा परिश्रमपूर्वक तयार गर्नुभएको हो । म उहाँको यस शोधकार्यसँग सन्तुष्ट छु र यसको आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि सिफारिस गर्दछु ।

मिति: २०६४

-----  
प्रा. डा. ब्रतराज आचार्य

नेपाली केन्द्रीय विभाग

त्रि.वि. कीर्तिपुर

काठमाण्डौं

# त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र

## सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभाग, कीर्तिपुर

### स्वीकृति पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत विश्वविद्यालय क्याम्पसका छात्र नित्यानन्द खतिवडाले त्रि.वि. नेपाली केन्द्रीय विभाग, कीर्तिपुरको स्नातकोत्तर तह (एम.ए) नेपाली विषयको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि प्रस्तुत गर्नुभएको **विजय मल्लका प्रयोगशील नाट्यकृतिको विश्लेषण** शीर्षकको शोधपत्र स्वीकृत गरिएको छ ।

### शोध मूल्याङ्कन समिति

| क्र.सं. नाम                                | हस्ताक्षर |
|--------------------------------------------|-----------|
| १. प्रा. घनश्याम उपाध्याय (विभागीय प्रमुख) | -----     |
| २. प्रा. ब्रतराज आचार्य (शोध निर्देशक)     | -----     |
| ३. प्रा. मोहनराज शर्मा (बाह्य परीक्षक)     | -----     |

मिति: २०६४/०४/०६

## कृतज्ञताज्ञापन

**विजय मल्लका प्रयोगशील नाट्यकृतिको विश्लेषण** शीर्षकको प्रस्तुत शोधपत्र मैले त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत नेपाली केन्द्रीय विभाग, कीर्तिपुरको स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षको दसौं पत्रको प्रयोजनका लागि आदरणीय गुरु प्रा. डा. ब्रतराज आचार्यज्यूका निर्देशनमा तयार गरेको छु। निकै व्यस्त हुँदाहुँदै पनि यो शोधपत्र तयारीका सन्दर्भमा स्नेहपूर्वक परीक्षण, परिमार्जन, विविध ज्ञानबद्धक सल्लाह सुभावा एवम् निर्देशन दिई अविस्मरणीय सहयोग गर्नुहुने श्रद्धेय गुरुप्रति म सदा ऋणी रहनेछु।

प्रस्तुत शीर्षक स्वीकृत गरी अनुसन्धान तथा शोधपत्र लेख्ने अवसर प्रदान गर्ने नेपाली केन्द्रीय विभागप्रति म कृतज्ञ छु। शोधपत्र लेख्ने समयमा अमूल्य सहयोग गर्नुहुने उप. प्रा. नेत्र सुवेदी, सह.प्रा. केशवप्रसाद सुवेदी एवम् अन्य आदरणीय गुरुहरुप्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु। त्यस्तै अग्रज आदरणीय दाइ एवम् 'विजय मल्ल स्मृति समाज'का अध्यक्ष चैतन्यप्रकाश प्रधानप्रति हृदयतः कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु। त्यस्तै गरी सामग्री सूचना तथा सल्लाह दिएर सहयोग गर्नुहुने सम्पूर्ण साहित्यकार तथा साहित्यानुरागीप्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु।

शोधपत्रको तयारीका सिलसिलामा सहयोग गर्ने त्रि.वि. केन्द्रीय पुस्तकालय (कीर्तिपुर), नेपाल भारत पुस्तकालय, प्रज्ञा प्रतिष्ठान पुस्तकालयप्रति आभार व्यक्त गर्दछु। साथै शोधपत्रलाई मिहिनेत गरी शुद्ध रूपमा तयार पारिदिने Wowides Computer System प्रति हार्दिक आभार व्यक्त गर्दछु। शोधकार्यमा आवश्यक सरसल्लाह दिने आदरणीय दाजु लावण्य ढुङ्गाना र देवी नेपालप्रति कृतज्ञ छु। शोध लेखनमा हतारो लगाइदिनुहुने आदरणीय दाइ-भाउजू भीमप्रसाद खतिवडा र वेणु खतिवडा प्रति आभारी छु। त्यस्तै साथीभाइहरुको हुटहुटी र आवश्यक समय उपलब्ध गराइदिने रिचमण्ड एकेडेमीलाई पनि धन्यवाद दिन चाहन्छु।

**नित्यानन्द खतिवडा**

## विषय सूची

पृष्ठ संख्या

स्वीकृति पत्र

शोधनिर्देशकको मन्तव्य

कृतज्ञता ज्ञापन

विषय सूची

सङ्केत सूची

|                                                                         |             |
|-------------------------------------------------------------------------|-------------|
| <b>परिच्छेद - एक: प्राक्कथन</b>                                         | <b>१-८</b>  |
| १.१. शोधशीर्षक                                                          | १           |
| १.२. प्रयोजन                                                            | १           |
| १.३. समस्याकथन                                                          | १           |
| १.४. उद्देश्यकथन                                                        | २           |
| १.५. शोधकार्यको औचित्य                                                  | २           |
| १.६. शोधकार्यको सीमा                                                    | ३           |
| १.७. पूर्वकार्यको विवरण                                                 | ३           |
| १.८. सामग्री सङ्कलन                                                     | ७           |
| १.९. अध्ययन विश्लेषणको सैद्धान्तिक आधार                                 | ८           |
| १.१०. शोधपत्रको रूपरेखा                                                 | ८           |
| <br>                                                                    |             |
| <b>परिच्छेद - दुई: विजय मल्लको जीवनी र साहित्यिक गतिविधिको रेखाङ्कन</b> | <b>९-२९</b> |
| २.१. जीवनीको रेखाङ्कन                                                   | ९           |
| २.१.१. पारिवारिक पृष्ठभूमि                                              | ९           |
| २.१.१. जन्म र बाल्यकाल                                                  | ९           |
| २.१.३. शिक्षा तथा स्वाध्ययन                                             | १०          |
| २.१.४. विवाह तथा पारिवारिक जीवन                                         | ११          |

|          |                              |    |
|----------|------------------------------|----|
| २.१.५.   | सामाजिक तथा राजनीतिक जीवन    | १२ |
| २.१.६    | साहित्यिक प्रेरणा र प्रभाव   | १३ |
| २.१.७.   | सेवागत आवद्धता               | १४ |
| २.१.८.   | भ्रमण तथा अवलोकन             | १५ |
| २.१.९.   | सम्मान तथा पुरस्कार          | १५ |
| २.१.१०.  | देहावसान                     | १६ |
| २.२.     | साहित्यिक गतिविधिको रेखाङ्कन | १६ |
| २.२.१.   | लेखन आरम्भ                   | १६ |
| २.२.२.   | प्रकाशित कृति विवरण          | १७ |
| २.२.३.   | विधागत योगदान                | १८ |
| २.२.३.१. | कवि विजय मल्ल                | १९ |
| २.२.३.२. | कथाकार विजय मल्ल             | २० |
| २.२.३.३. | नाटककार विजय मल्ल            | २२ |
| २.२.३.४. | उपन्यासकार विजय मल्ल         | २४ |
| २.२.३.५. | निबन्धकार विजय मल्ल          | २६ |
| २.२.३.६. | समालोचक विजय मल्ल            | २७ |
| २.२.३.७. | सम्पादक विजय मल्ल            | २८ |
| २.३.     | निष्कर्ष                     | २८ |

**परिच्छेद - तीन: विजय मल्लको नाट्ययात्रा र चरणगत प्रमुख प्रवृत्ति** ३०-५६

|          |                                         |    |
|----------|-----------------------------------------|----|
| ३.१.     | विजय मल्लको नाट्ययात्रा                 | ३० |
| ३.१.१    | प्रथम चरण (२००१-२०१०)                   | ३१ |
| ३.१.१.१  | प्रथम चरणका नाट्यकृतिको सामान्य परिचय   | ३१ |
| ३.१.१.२  | प्रथम चरणको नाट्य प्रवृत्ति             | ३२ |
| ३.१.२.   | द्वितीय चरण (२०११-२०२५)                 | ३२ |
| ३.१.२.१. | द्वितीय चरणको नाट्यकृतिको सामान्य परिचय | ३४ |

|                                                |    |
|------------------------------------------------|----|
| ३.१.२.१. द्वितीय चरणको प्रमुख नाट्यप्रवृत्ति   | ३९ |
| ३.१.३. तृतीय चरण ( २०२५-२०४८)                  | ४२ |
| ३.१.३.१. तृतीय चरणको नाट्यकृतिको सामान्य परिचय | ४५ |
| ३.१.३.२. तृतीय चरणको प्रमुख नाट्यप्रवृत्ति     | ५४ |

**परिच्छेद - चार: प्रयोगशीलता र नेपाली नाट्यपरम्परा** ५७-७१

|                                    |    |
|------------------------------------|----|
| ४.१. प्रयोगशीलताको पृष्ठभूमि       | ५७ |
| ४.२. प्रयोगशीलताका प्रवृत्तिहरू    | ६० |
| ४.२.१. शिल्पगत प्रवृत्ति र प्रविधि | ६० |
| ४.२.१.१. प्रतीकवादी                | ६० |
| ४.२.१.२. अभिव्यञ्जनावादी           | ६१ |
| ४.२.१.३. विसङ्गतिवादी              | ६१ |
| ४.२.१.४ महाकाव्यात्मक              | ६२ |
| ४.२.१.५ दादावादी                   | ६२ |
| ४.२.१.६. अराजक                     | ६२ |
| ४.२.१.७. मिथकीयता                  | ६३ |
| ४.२.१.८. स्वैरकल्पनामूलक           | ६३ |
| ४.२.१.९. दृश्यात्मकता              | ६४ |
| ४.२.१.१०. स्थिरीकरण प्रवृत्ति      | ६४ |
| ४.२.१.११. असित व्यङ्ग्य            | ६४ |
| ४.२.१.१२. अतीतावलोकनको प्रस्तुति   | ६५ |
| ४.२.१.१३. विशृङ्खल दृश्ययोजना      | ६५ |
| ४.२.१.१४. पात्रको रूपान्तरण        | ६६ |
| ४.२.१.१५. कलात्मक दूरी             | ६६ |
| ४.२.१.१६. नामहीन पात्र             | ६६ |

|                                                                      |                |
|----------------------------------------------------------------------|----------------|
| ४.२.१.१७. समानान्तर दृश्ययोजना                                       | ६७             |
| ४.२.१.१८. मुखुण्डोको प्रयोग                                          | ६७             |
| ४.३. नेपाली नाटकमा प्रयोगशीलता                                       | ६७             |
| <b>परिच्छेद-पाँच : विजय मल्लका प्रयोगशील नाट्यकृतिको विश्लेषण</b>    | <b>७२-१०८</b>  |
| ५.१. प्रयोगशील एकाङ्कीको विश्लेषण                                    | ७२             |
| ५.१.१. 'पत्थरको कथा' एकाङ्कीको विश्लेषण                              | ७२             |
| ५.१.२. 'पुराणको हराएको पाना' एकाङ्कीको विश्लेषण                      | ७९             |
| ५.१.३. 'नाम नभएको मानिस' एकाङ्कीको विश्लेषण                          | ८६             |
| ५.१.४. 'दोभान' एकाङ्कीको विश्लेषण                                    | ९५             |
| ५.१.५. 'यो कस्तो दन्त्यकथा ?' एकाङ्कीको विश्लेषण                     | १०३            |
| <b>परिच्छेद - छ : विजय मल्लका प्रयोगशील पूर्णाङ्कीहरूको विश्लेषण</b> | <b>१०९-१२४</b> |
| ६.१. 'पहाड चिच्याइरहेछ' पूर्णाङ्कीको विश्लेषण                        | १०९            |
| ६.२. 'मानिस र मुखुण्डो' पूर्णाङ्कीको विश्लेषण                        | ११८            |
| <b>परिच्छेद - सात : उपसंहार</b>                                      | <b>१२५-१२८</b> |
| <b>प्रमुख सन्दर्भग्रन्थसूची</b>                                      | <b>१२९-१३२</b> |



## सङ्केत सूची

|               |   |                                 |
|---------------|---|---------------------------------|
| सु.           | : | सुब्बा                          |
| वि.सं         | : | विक्रम सम्वत                    |
| डा.           | : | डाक्टर                          |
| आई.एस्सी      | : | इन्टरमिडियट अफ साइन्स           |
| ने.रा.प्र.प्र | : | नेपाल राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान |
| अ.ने.सा.स.    | : | अखिल नेपाल साहित्य समिति        |
| सा.प्र.       | : | साभ्ता प्रकाशन                  |
| ले            | : | लेखक/लेखन                       |
| प्र.          | : | प्रकाशन                         |
| का.बा.        | : | कार्यवाहक                       |
| ते.सं.        | : | तेस्रो संस्करण                  |
| अ.प्र.        | : | अप्रकाशित                       |
| काठ.          | : | काठमाण्डौं                      |
| पृ.           | : | पृष्ठ                           |
| ने.शि.स.      | : | नेपाली शिक्षा समिति             |
| त्रि.वि.      | : | त्रिभुवन विश्वविद्यालय          |
| व.            | : | वर्ष                            |
| सं            | : | सङ्ख्या                         |
| अ             | : | अङ्क                            |
| प्रा.लि.      | : | प्राइभेट लिमिटेड                |
| सम्पा.        | : | सम्पादक                         |